मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 52 ■ गुरुवार 30 अप्रैल 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'टॉक्सिक' 4 जून को नहीं होगी रिलीज

बारवी डैम इलाके में बढ़ेगा पर्यटन

- MIDC का बड़ा मास्टर प्लान तैयार
- मिलेंगे नए रोजगार के मौके

बदलापुर. ठाणे जिले की लाइफलाइन बारवी डैम के वॉटरशेड एरिया में अब पर्यटन फल-फूल रहा है. महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन यानी MIDC ने बारवी डैम के वॉटरशेड एरिया में एक वर्ल्ड-क्लास पर्यटन सेंटर बनाने का बड़ा फैसला लिया है. इस प्रोजेक्ट से, खूबसूरत बारवी इलाका न सिर्फ पानी सप्लाई का सेंटर बनेगा, बल्कि टूरिस्ट अट्रैक्शन भी बनेगा और लोकल युवाओं के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के मौके खुलेंगे.

ठाणे जिले के ज्यादातर शहरों को पानी सप्लाई करने वाला बारवी डैम कई सालों से आकर्षण का केंद्र रहा है. अपनी खूबसूरत लोकेशन, घने जंगल और आसपास के इलाके में पानी के नेचुरल बहाव की वजह से बारवी मानसून पर्यटन का एक अहम सेंटर है. हालांकि, अभी यहां सिर्फ घूमने-फिरने की सुविधाएं ही उपलब्ध हैं. इसलिए, इस बारवी इलाके में पर्यटन सुविधाएं देने की मांग हो रही थी.

रोजगार के मौके

इस पर्यटन प्रोजेक्ट से इस एरिया में डायरेक्ट रोजगार और कुछ इनडायरेक्ट रोजगार के मौके मिलेंगे. लोकल एरिया के रिसॉर्ट और फार्म को कस्टमर मिलेंगे. लोकल लोगों को पोर्टर के तौर पर मौके मिलेंगे. लोकल लोगों को वॉटर स्पोर्ट्स और मैनेजमेंट में प्रायोरिटी मिलेगी. मुरबाद और आस-पास के इलाकों में कुछ एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट मशहूर हैं. इन लोकल एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट, हैंडीक्राफ्ट और दूसरी चीज़ों का बड़ा मार्केट होगा.

1972 में बने बारवी डैम की ऊंचाई बढ़ाने का काम तीन फेज में सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है. 2019 से डैम अपनी पूरी कैपेसिटी 340.48 मिलियन क्यूबिक मीटर भर रहा है. डैम की ऊंचाई बढ़ाने से प्रोजेक्ट से प्रभावित गांवों कोलेवाडखाल, सुकलवाड़ी, मोहघर, टोंडली, कचकोली को सफलतापूर्वक ऊंची जगह पर बसाया गया है. इससे डैम के कैचमेंट एरिया में पुराने गांवों के नीचे खाली हुई जगह अब पर्यटन डेवलपमेंट के लिए उपलब्ध हो गई है.

MIDC ने इस इलाके को बदलने के लिए 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (EoI) सिस्टम के जरिए एक एक्सपर्ट कंसल्टेंट नियुक्त करने का प्रोसेस प्रपोज किया है. इसके तहत एक प्लान तैयार किया जाएगा. जिसमें पूरे इलाके की प्लानिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का कंस्ट्रक्शन और एक डिजाइन प्लान तैयार किया जाएगा.

डैम के नीले पानी और आसपास की हरियाली को सेंटरपीस मानकर पर्यटन एक्टिविटीज लागू की जाएंगी. कॉन्सेप्ट से लेकर इम्प्लीमेंटेशन तक सभी स्टेज पर काम किया जाएगा, और टूरिस्ट की सुविधा के लिए स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सर्विस और फैसिलिटी बनाई जाएंगी. इस पर्यटन प्रोजेक्ट से न सिर्फ MIDC का रेवेन्यू बढ़ेगा, बल्कि लोकल लोगों को रोजगार के नए मौके भी मिलेंगे.

मनपा में भाजपा का अंदरूनी विवाद उजागर

स्थायी समिति की बैठक भाजपा के शेरी लुंड ने शिवसेना के पक्ष में किया वोट

उल्हासनगर. म्युनिसिपल स्टैंडिंग कमेटी मीटिंग में BJP ने अधिकारियों से कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स के प्रस्ताव को बिना डेडलाइन बढ़ाए दोबारा टेंडर करने की मांग की। हालांकि, BJP के शेरी लुंड ने शिंदे सेना की सदस्या के साथ स्वीपिंग मशीन प्रस्ताव के पक्ष में पार्टी के के खिलाफ वोट किया, जिसके बाद प्रस्ताव पास हो गया। इससे BJP का अंदरूनी विवाद सामने आ गया है।

उल्हासनगर म्युनिसिपल स्टैंडिंग कमेटी के 16 सदस्यों में से BJP और शिंदे सेना के 8-8 सदस्य हैं। चेयरमैन का पद शिंदे सेना के कलवंत सहोता के पास है। मीटिंग में ट्रैफिक वार्डन, सिक्योरिटी गार्ड, माली और मजदूरों को कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती करने और उन्हें फाइनेंशियल मदद देने का प्रस्ताव पेश किया गया। हालांकि, BJP ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। BJP के इस रुख की वजह से कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स का मुद्दा अब लटकता दिख रहा है।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर की सड़कों की सफाई के लिए दो स्वीपिंग मशीन और दो पानी स्प्रे करने वाली मशीनें खरीदी हैं। BJP ने स्टैंडिंग कमेटी मीटिंग में मांग की थी कि इन मशीनों की रिपेयर और मेंटेनेंस के लिए पुराने कॉन्ट्रैक्टर को एक्सटेंशन दिए बिना नया टेंडर निकाला जाए। हालांकि, जब स्पीकर कलवंत सहोता ने इस प्रस्ताव पर वोटिंग करवाई, तो एक अनपेक्षित नतीजा सामने आया और प्रस्ताव के पक्ष में 16 में से 9 वोट पड़े। BJP मेंबर शेरी लुंड ने पार्टी की पॉलिसी के खिलाफ शिंदे सेना के पक्ष में वोट किया। हालांकि यह प्रस्ताव पास हो गया, लेकिन BJP को बड़ा झटका लगा है।

> स्टैंडिंग कमेटी मीटिंग में जो हुआ, उससे बहुत गुस्सा है। पार्टी की शेरी लुंड का पार्टी की पॉलिसी के खिलाफ वोट करना गलत है। इस मामले पर सही तरीके से विचार किया जाएगा।
> –**राजेश वढारिया**, भाजपा जिलाध्यक्ष और गट नेता

शेरी लुंड का पॉलिटिकल सफर शिवसेना से शुरू हुआ था। जबकि उनके पिता गोविंदराम लुंड पूर्व MLA पप्पू कलानी के पक्के सपोर्टर थे। इसी बीच, उन्होंने साई पार्टी जॉइन कर ली और अपने साथ कंचन लुंड को भी कॉर्पोरेटर चुनवा दिया। इसके बाद वे BJP में शामिल हो गए और अपने परिवार के भाई अमर लुंड, बहनोई कंचन लुंड और शेरी लुंड को पार्षद बनवाया। BJP सरकार ने उन पर भरोसा दिखाया है और अमर लुंड को डिप्टी मेयर का पद भी दिया है। इसके बावजूद शेरी लुंड का पार्टी के खिलाफ वोट देना यह साफ कर देता है कि उल्हासनगर BJP में सब कुछ ठीक नहीं है।

आज अंबरनाथ नपा की आमसभा में फिर होगा हंगामा?

- आज 31 मुद्दों पर होगी आम सभा
- शिवसेना-भाजपा में तल्खी बढ़ी

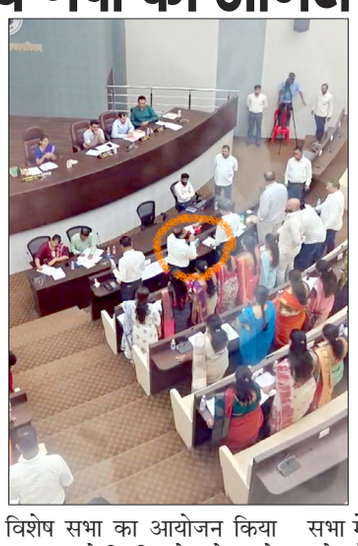

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की आज जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन नगराध्यक्षा ने किया है, जिसमें शहर विकास, आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता और जनहित से जुड़े कुल 31 मुद्दे हैं. लेकिन ये सभा भी होगी कि नहीं? ऐसी चर्चा शहर में हो रही है. शिवसेना-भाजपा के नगरसेवक आपस में लड़ते रहंगे या शहरवासियों के कुछ काम भी करेंगे. ऐसा लोगों का कहना है. क्योंकि दो दिन पूर्व नगराध्यक्षा द्वारा विशेष सभा का आयोजन किया गया था. जो कि शिवसेना ने अपने नगरसेवकों के संख्या बल के आधार पर भाजपा से विवाद होने पर सभा के स्थगित कर दिया था और शिवसेना के राजेश वालेकर ने खुलकर कहा था कि अगर उनके नगरसेवकों के माइक सिस्टम सही नहीं किए गए तो वह सबा को होने नहीं देंगे. तो दूसरी ओर सभा को स्थगित करने पर भाजपा के अभिजीत करंजुले और उनके साथियों ने शिवसेना का निषेध व्यक्त करके नारेबाजी की थी. आज 30 अप्रैल गुरुवार को 11 बजे होने जा रही सभा में स्वच्छता से संबंधित कई बड़े मुद्दे हैं. सार्वजनिक शौचालयों को अगले तीन वर्षों के लिए ठेका देने संबंधी निर्णय इस बैठक में लिया जाएगा. मोरीवली स्थित भूखंड के आरक्षण में बदलाव से संबंध में चर्चा करके निर्णय लिया जाएगा. शहर के मैदानों एवं नाट्यगृह के किराया दरों में संशोधन करने की संभावना है. दिव्यांगों को साइकिल वितरण, अंबरनाथ के साप्ताहिक बाजारों के संबंध में उचित निर्णय लेना, इस सभा के विशेष मुद्दे हैं. क्या फिर आज की सभा में शिवसेना-भाजपा के बीच हंगामा होगा. ये सोच कर पुलिस विभाग भी सतर्क हो गई है. आज अंबरनाथ नपा कार्यालय पुलिस छावनी में तब्दील हो जाएगा, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है.

गरीबों की लाइन कटी, अमीरों को सीधा कनेक्शन

- उल्हासनगर में महावितरण का दोहरा चेहरा!
- युवा सेना लोकसभा सचिव विक्की भुल्लर

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में एक ऐसा मामला सामने आया है जो महावितरण कंपनी के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि उल्हासनगर-3 में नई बिना इजाज़त बनी बिल्डिंग कवरराम अपार्टमेंट (बिलिंग यूनिट 4172, P.C. नंबर 6) में पिछले 6 महीने से बिजली की खपत में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं।

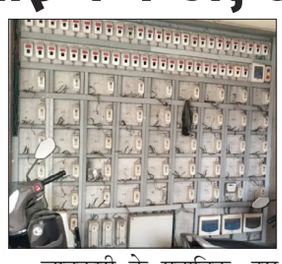

जानकारी के मुताबिक, इस बिल्डिंग में सरकारी बिजली मीटर न होने के बावजूद करीब 40 फ्लैटों में सीधी लाइनों से बिजली की खपत हो रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह बात सामने आई है कि यहां लगे एकमात्र सरकारी मीटर पर भी ज़ीरो (0) यूनिट का बिल आ रहा है और संबंधित कस्टमर नंबर 021513785132 है। इसलिए, इस तरह की बात सिर्फ बिजली चोरी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम में गंभीर गड़बड़ियों या मिलीभगत की संभावना जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बिल्डर खुलेआम कह रहा है कि वह हर महीने कुछ अधिकारियों को पैसे देता है, इसलिए कोई एक्शन नहीं लेता। हालांकि इन आरोपों की अभी तक कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इतने बड़े पैमाने पर बिजली की खपत होने पर एक्शन न लेना शक पैदा कर रहा है। इलाके के लोगों ने महाराष्ट्र डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की दोहरी पॉलिसी पर कड़ी नाराजगी जताई है।

इस बीच, युवा सेना कल्याण लोकसभा सेक्रेटरी हरजिंदर सिंह भुल्लर (विक्की) ने पूरे मामले पर ध्यान दिया है और महाराष्ट्र डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी एडमिनिस्ट्रेशन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी, क्या महाराष्ट्र डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की टीम और अधिकारियों को इतने बड़े पैमाने पर बिजली चोरी नहीं दिखती? अगर तुरंत एक्शन नहीं लिया गया, तो हम प्रोटेस्ट करेंगे। साथ ही, ऐसे इनएक्टिव अधिकारियों के खिलाफ तुरंत सस्पेंशन का एक्शन लिया जाना चाहिए। इस मामले से इलाके में गुस्से का माहौल है, लोग तुरंत जांच, गैर-कानूनी बिजली सप्लाई रोकने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जाधव हत्याकांड में 3 महिलाओं सहित नाबालिग गिरफ्तार

- वंचित बहुजन आघाडी के जिला संघटक के पिता की हत्या
- 10-15 लोगों ने किया परिवार पर हमला

कल्याण. डोंबिवली के पास घारीवली इलाके में हुई बेरहमी से हत्या से इलाके में काफी सनसनी फैल गई है। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि वंचित बहुजन अघाड़ी के जिला संगठक राहुल जाधव के पिता की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने तीन महिलाओं और एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना घारीवली के जाधववाड़ी इलाके में हुई।

राहुल जाधव की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कोले गांव के साहिल सुखदेव जाधव, मयूर कमलाकर पाटिल, विनोद, निशा सुखदेव जाधव, जयवंती मोतीराम जाधव, निशा की बेटी और 8 अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राहुल जाधव का बड़ा भाई दिनेश यूरो स्कूल बस में ड्राइवर का काम करता है। जाधव परिवार घारीवली गांव में जॉइंट फैमिली के तौर पर रहता है।

राहुल जाधव ने पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत में कहा है कि मंगलवार रात 11:30 बजे हम सब परिवार साथ में खाना खाने बैठे थे। उस समय खाना खाने बैठे दिनेश को कोले गांव के साहिल जाधव का फोन आया। मैं तुम्हारे घर से बाहर आ गया हूं। हिम्मत है तो घर से बाहर आकर दिखाओ। तो दिनेश खाना छोड़कर घर से बाहर चला गया। फिर जो गैंग निकला उसने उसे तब तक पीटा जब तक उसके कपड़े फट नहीं गए। हम खाना छोड़कर अपने पिता बामा जाधव, चाचा सोमीनाथ जाधव, मनीषा जाधव और बाकी लोग घर के बाहर आए. बाहर आए 15 लोगों के ग्रुप से पूछा कि क्या हुआ है। ग्रुप ने गाली-गलौज करते हुए हम पर हमला किया। साहिल ने चाचा सोमीनाथ को पकड़ लिया। कुछ ने चाची मनीषा को धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया। पिता बामा ने झगड़ा सुलझाने के लिए बीच-बचाव किया।

उस समय मयूर कमलाकर पाटिल ने हाथ में ली लोहे की रॉड से पिता बामा के सिर पर वार किया, जिससे वे वहीं गिर पड़े। पिता बेहोश पड़े थे, जबकि साहिल जाधव को लात मार रहा था। पिता की हरकतें पूरी तरह बंद हो गई थीं।

पीने के पानी के नल से निकला मुर्गी का पंख

- उल्हासनगर में लोगों की सेहत खतरे में
- लोगों ने साफ पानी सप्लाई की मांग की

उल्हासनगर. अभी तक उल्हासनगर शहर में नलों से गंदा पानी, पत्थर निकलने और बारीक दाने निकलने की घटनाएं सामने आ रही थीं। लेकिन अब पीने के पानी के नलों से मुर्गी के पंख निकलने से लोग हैरान हैं। उम्मीद के मुताबिक पानी सप्लाई होने से लोगों की सेहत को खतरा पैदा हो गया है। नल से मुर्गी के पंख निकलने की यह चौंकाने वाली घटना उल्हासनगर शहर के कैंप नंबर 2 खेमानी इलाके के रमाबाई अंबेडकर नगर में हुई है। इस घटना से उस इलाके के लोगों में गुस्सा है और महिला ग्रुप ने मांग की है कि इस गंदे पानी की सप्लाई को तुरंत रोका जाए और हमारे इलाके में साफ पानी सप्लाई किया जाए।

उल्हासनगर के कैंप नंबर 2 खेमानी इलाके के रमाबाई अंबेडकर नगर में रहने वाले सोनावणे परिवार को पिछले कई दिनों से नल से गंदा पीने का पानी आ रहा है। अब, सोनवणे के घर में पीने के पानी के नल से मुर्गे का पंख निकला है। ऐसा उनके साथ पहले भी दो बार हो चुका है। हालांकि, उस समय सोनवणे ने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया था। हालांकि, एक बार फिर, जब उनके घर में नल से मुर्गे के पंख निकले, तो उन्होंने सबूत के तौर पर इसे अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि मनपा प्रशासन और महापौर अश्विनी निकम इस पर तुरंत ध्यान दें और इस समस्या को हल करके इलाके में तुरंत साफ पानी की सप्लाई करें।

महापौर अश्विनी निकम ने भी वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट को इस समस्या पर तुरंत ध्यान देने का आदेश दिया है। पीने के पानी में से मुर्गे का पंख निकलने की यह पहली घटना हो सकती है, इसलिए उल्हासनगर मनपा प्रशासन के लिए यह ज़रूरी है कि वह इसकी गंभीरता को पहचाने और तुरंत इस बात पर ध्यान दे कि इलाके में साफ पानी की सप्लाई कैसे की जाए।

3 पार्कों के लिए साढ़े सात करोड़ मंजूर

उल्हासनगर. शहर में जहां 60 से ज़्यादा पार्क खस्ताहाल हैं, वहीं प्रशासन ने सिर्फ़ तीन पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए साढ़े सात करोड़ का फंड मंजूर किया है। उल्हासनगर महानगरपालिका के ऑफिस में 60 पार्कों का रिकॉर्ड है। लेकिन, ऐसा लगता है कि प्रशासन का प्यार सिर्फ़ कैंप नंबर 3 में सपना गार्डन, साईं वसनशाह गार्डन (प्लॉट 705) और कैंप नंबर 5 में नेताजी प्रभात गार्डन पर ही है। इन तीन पार्कों पर हर साल करोड़ों खर्च होते हैं, जबकि बाकी 57 पार्कों की हालत खराब है। खास बात यह है कि नेताजी प्रभात गार्डन पर पिछले 5 सालों से काम चल रहा है। इसके लिए डिप्टी चीफ मिनिस्टर, MP, MLA और महानगरपालिका समेत हर लेवल से फंड आ रहा है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

ड्यूटी या जोखिम?

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया हो, लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव हों या फिर जनगणना जैसे विशेष अभियान, इनका जिम्मा शिक्षकों तथा अन्य विभागीय कर्मियों को दिया जाता है। उन्हें बिना किसी त्रुटि या हड़बड़ी के पूरी सटीकता के साथ इस कार्य को अंजाम देना होता है। मगर इस दौरान उन्हें किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, इस पर शायद ही सरकार और प्रशासनिक स्तर पर पहले कोई चर्चा होती हो या कोई समाधान तलाशने की कोशिश की जाती हो। यानी परिस्थिति जो भी हो, इन कर्मियों को हर हाल में काम पूरा करना होता है।

ऐसे में कई बार काम का बोझ या चुनौतीपूर्ण हालात न केवल शारीरिक एवं मानसिक परेशानियों को बढ़ा देते हैं, बल्कि संबंधित कर्मी की जान तक चली जाती है। ओडिशा में ऐसे ही दो स्कूली शिक्षकों की लू लगने से मौत हो गई, जिन्हें जनगणना के कार्य में नियुक्त किया गया था। खबरों के मुताबिक, अलग-अलग घटनाओं में जब ये शिक्षक घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने के बाद स्कूल लौटे, तो बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

गौरतलब है कि पिछले दिनों मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में तैनात कई खंड स्तरीय अधिकारियों की मृत्यु हो जाने की खबरें आई थीं। पीड़ित पक्षों का दावा था कि काम का अत्यधिक बोझ और मानसिक परेशानी मौत का कारण बना, हालांकि अधिकांश मामलों में आधिकारिक स्तर पर व्यक्तिगत समस्या का ही हवाला दिया गया। चुनाव के दौरान भी इस तरह के मामले सामने आते रहते हैं। अब देश में जनगणना का कार्य शुरू हुआ है और अभी से ऐसी घटनाएं सामने आने लगी हैं।

अगर शिक्षकों की बात की जाए, तो लंबे समय से यह मांग की जाती रही है कि उनकी जिम्मेदारी को शिक्षण कार्य तक ही सीमित रखा जाए, क्योंकि इससे बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता पर असर पड़ता है। सवाल है कि इस तरह के विशेष सरकारी अभियानों में तैनात किए जाने वाले कर्मियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी और जवाबदेही किसकी है? शासन-प्रशासन को इस बात पर गंभीरता से ध्यान देना होगा कि ऐसे कर्मियों को पेश आने वाली परेशानियों का तत्काल निराकरण किया जाए, ताकि उनकी जान को किसी तरह का खतरा न हो।

विमर्श

ममता के सामने गढ़ बचाने की चुनौती

इस महीने की नौ तारीख से चार राज्यों एवं एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों का आरंभ हुआ सिलसिला अब अंतिम पड़ाव पर आ पहुंचा है। आज पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के मतदान के बाद सभी निगाहें चार मई को आने वाले चुनाव परिणामों पर टिकी रहेंगी। बंगाल चुनाव के पहले चरण में हुए रिकार्ड 92 प्रतिशत मतदान के बाद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। जहां तृणमूल इस बंपर मतदान को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में भरोसे के साथ जोड़कर प्रस्तुत कर रही है, वहीं भाजपा इसे सत्ता विरोधी रुझान के रूप में प्रचारित करने में लगी है। पहले चरण की 152 सीटें मुख्य रूप से उत्तरी बंगाल और जंगल महल के इलाकों में केंद्रित थीं तो दूसरे चरण का मतदान उस दक्षिण बंगाल में होना है, जिसके बारे में कहा जाता है कि सत्ता की कुंजी इसी क्षेत्र के हाथ में होती है।

बंगाल के राजनीतिक गलियारों में यह कहावत आम है कि जिसने प्रेसिडेंसी वाले इलाकों में जीत हासिल की, वही नबन्ना (पश्चिम बंगाल सरकार का सचिवालय) पर काबिज हुआ। यह विधानसभा चुनाव ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के लिए बहुत निर्णायक है, क्योंकि हार की स्थिति उन्हें हाशिए पर पहुंचा सकती है। तृणमूल मुख्य रूप से बंगाल केंद्रित पार्टी है और आस-पड़ोस के राज्यों से लेकर गोवा तक राजनीतिक विस्तार के उसके प्रयास फलीभूत नहीं हो पाए हैं। इस स्थिति में अगर बंगाल उसके

हाथ से निकलता है तो फिर राजनीतिक पूंजी पूरी तरह सिमट जाएगी। जबकि जीत की स्थिति न केवल बंगाल, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी ममता बनर्जी के कद को बहुत ऊंचे स्तर पर स्थापित करने का काम करेगी।

ज्योति बसु और नवीन पटनायक के बाद वह किसी बड़े राज्य की पहली मुख्यमंत्री बन जाएंगी, जो लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी करने में सफल होंगी।

बंगाल का राजनीतिक मिजाज देखें तो यह राज्य लंबे समय तक ही एक ही ढर्रे पर चलता आया है। वर्ष 1977 से 2026 के बीच यहां केवल एक बार ही सत्ता परिवर्तन हुआ, जब 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने तीन दशकों से अधिक पुरानी वामपंथी सत्ता को अपदस्थ किया था। उसके बाद से ममता और तृणमूल का सिक्का ही सत्ता पर जमा हुआ है।

पहले चरण की जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें प्रतिद्वंद्वी भाजपा की ताकत को अनदेखा नहीं किया जा सकता। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो 77 सीटें मिली थीं, उनमें से 59 सीटें इन्हीं विधानसभा क्षेत्रों की थीं। जबकि दूसरे चरण की जिन 142 सीटों पर चुनाव होना है, उनमें से पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल को 123 सीटें मिली थीं और भाजपा को मात्र 18 सीटों के साथ ही संतोष करना पड़ा था। स्पष्ट है कि अगर भाजपा को राज्य की सत्ता पर अपना दावा मजबूत करना है तो कोलकाता, हावड़ा, हुगली, नदिया और 24 परगना क्षेत्रों में भी जीत हासिल करनी होगी। इसके बिना तृणमूल कांग्रेस के समक्ष चुनौती पैदा करना आसान नहीं होगा।

पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल को जहां 48 प्रतिशत वोट मिले, वहीं भाजपा की झोली में 38 प्रतिशत मत आए थे। इस बड़े अंतर का ही परिणाम रहा कि तृणमूल को 215 सीटों के साथ अपने इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक जीत हासिल हुई। अब देखना यह होगा कि क्या तृणमूल अपनी यह बढ़त कायम करने में सफल रहती है या भाजपा उसकी सियासी जमीन में सेंध लगा पाती है? इस सवाल का जवाब कई परतों में छिपा है।

बंगाल उन राज्यों में से एक है, जहां की जनसांख्यिकी भाजपा की राजनीति के लिए बहुत उपयुक्त नहीं है। राज्य में मुस्लिम समुदाय की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के चलते कई सीटों पर उसकी भूमिक निर्णायक बन जाती है। मालदा, मुर्शिदाबाद और प्रेसिडेंसी इलाकों पर तृणमूल की मजबूत पकड़ में यह भी एक अहम कारक है। इसकी काट के लिए भाजपा की रणनीति यही रही होगी कि वह करीब उन 170 से 180 सीटों पर ध्यान केंद्रित करे, जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 20 प्रतिशत या उससे कम है।

हमारी प्रत्येक साँस अनमोल है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दो राष्ट्रों की जिद की जंग में फंसा होर्मुज जलमार्ग

ईरान और अमेरिका के बीच पहले युद्धविराम और फिर शांतिवार्ता की शुरुआत से यह उम्मीद जगी थी कि शायद होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही फिर से सामान्य हो सकेगी। यह मुद्दा सिर्फ इन दोनों देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों के लिए बेहद अहम है। लेकिन हालात एक बार फिर उलझते नजर आ रहे हैं। इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया। तब से अब तक उस रास्ते से केवल चीन और कुछ गिने-चुने देशों के जहाजों के गुजरने की ही खबर है।

ऐसे में भारत समेत कई देशों के लिए यह निराशाजनक स्थिति है। एक तरफ ईरान इस मार्ग को खोलने के लिए तैयार नहीं है, तो दूसरी ओर अमेरिका ने आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए इलाके की नाकेबंदी का ऐलान कर दिया है, जिससे संकट और गहरा गया है। अब ईरान अपनी शर्तों पर अड़ा है कि जब तक अमेरिका नाकेबंदी नहीं हटाएगा, तब तक मार्ग बंद रहेगा। वहीं अमेरिका भी अपनी जिद पर कायम है कि जब तक ईरान रास्ता नहीं खोलेगा, तब तक प्रतिबंध जारी रहेंगे।

सवाल यह है कि अगर दोनों पक्ष इसी तरह अड़े रहे, तो क्या शांति की कोशिशें कभी किसी ठोस नतीजे तक

पहुंच पाएंगी? एक अजीब स्थिति यह है कि युद्धविराम के बावजूद दोनों देश सीधे हमले नहीं कर रहे, लेकिन होर्मुज जलमार्ग सहित मध्य-पूर्व से तेल और गैस की आपूर्ति अब भी प्रभावित है। इसके कारण कई देशों में ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, तेल भंडार घट रहे हैं, महंगाई बढ़ रही है और रसोई गैस की कमी से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। यानी इस टकराव की सबसे बड़ी कीमत वे देश चुका रहे हैं, जो इस संघर्ष का हिस्सा भी नहीं हैं। क्या अमेरिका और ईरान को यह नहीं सोचना चाहिए कि उनके अड़ियल रुख के कारण दुनिया की बड़ी आबादी संकट झेलने को मजबूर है?

गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग दुनिया के सबसे अहम रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक है। वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे रास्ते से गुजरता है। इस इलाके में ईरान की स्थिति मजबूत मानी जाती है। शांति वार्ता से पहले ईरान ने इस मार्ग को खोलने के संकेत दिए थे, लेकिन युद्धविराम के बावजूद इजराइल द्वारा लेबनान पर हमले जारी रहने के बाद उसने फिर से आवाजाही रोक दी।

अमेरिका और इजराइल समेत अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के लिहाज से होर्मुज को बंद करना ईरान की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जबकि अमेरिका की ओर से लगातार आ रही चेतावनियां हालात को और जटिल बना रही हैं। अगर यही स्थिति बनी रही, तो न युद्धविराम का कोई असर दिखेगा और न ही शांति वार्ता आगे बढ़ पाएगी – और सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कि इस टकराव का आखिर हासिल क्या होगा?

ईरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थों के ज़रिए अमेरिका को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने और युद्ध खत्म करने का एक नया प्रस्ताव दिया है। अमेरिकी मीडिया एक्सियोस ने रविवार को एक अमेरिकी अधिकारी और मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। हालांकि न्यूक्लियर बातचीत को बाद में टालने के लिए प्रस्ताव दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी टॉप नेशनल सिक्योरिटी और फॉरेन पॉलिसी टीम के साथ ईरान पर एक सिचुएशन रूम मीटिंग करेंगे, जिसमें वे आगे की कार्रवाई का रिव्यू करेंगे।

हर कार में क्यों होते हैं ये ब्लैक डॉट्स...

कार की खिड़कियों और विंडशील्ड के किनारों पर बने छोटे-छोटे काले डॉट्स आपने जरूर देखे होंगे.

जरा हट के

ज्यादातर लोग इन्हें सिर्फ डिजाइन का हिस्सा मानते हैं, लेकिन असल में इनके पीछे एक खास वैज्ञानिक और तकनीकी वजह छिपी होती है. यही कारण है कि ये ब्लैक डॉट्स हर कार में लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं.

इन काले डॉट्स को तकनीकी भाषा में फ्रिट (Frit) कहा जाता है. यह एक खास तरह की सिरेमिक कोटिंग होती है, जिसे ग्लास पर बहुत हाई टेम्परेचर पर बेक किया जाता है. इसका सबसे पहला काम विंडशील्ड को मजबूती देना होता है.

दरअसल, कार के शीशे को बॉडी से जोड़ने के लिए जिस चिपकने वाले पदार्थ (एडहेसिव) का इस्तेमाल किया जाता है, उसे सूरज की अल्ट्रावायलेट (UV) किरणों

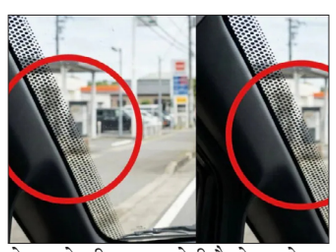

से बचाने की जरूरत होती है. ये ब्लैक डॉट्स उसी एडहेसिव को UV किरणों से प्रोटेक्ट करते हैं, जिससे शीशा लंबे समय तक मजबूती से चिपका रहता है.

इसके अलावा, ये डॉट्स हीट कंट्रोल करने में अहम भूमिका निभाते हैं. कार का शीशा जब धूप में गर्म होता है, तो किनारों और बीच के हिस्से में तापमान का फर्क पड़ सकता है. अगर यह अंतर बहुत ज्यादा हो जाए, तो शीशा क्रैक भी हो सकता है. ब्लैक डॉट्स इस तापमान के बदलाव को धीरे-धीरे संतुलित करते हैं, जिससे ग्लास पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम हो जाता है और टूटने का खतरा घट जाता है.

डिजाइन के नजरिए से भी इन डॉट्स का महत्व है. ये काले बॉर्डर और साफ ग्लास के बीच एक स्मूद ट्रांजिशन बनाते हैं, जिससे विंडशील्ड देखने में ज्यादा आकर्षक लगती है. अगर ये डॉट्स न हों, तो किनारों पर एकदम से काला हिस्सा मिलने से लुक थोड़ा अजीब लग सकता है.

साथ ही, ये डॉट्स ड्राइवर के लिए भी फायदेमंद होते हैं. यही वजह है कि कई कारों में ये डॉट्स ऊपर की तरफ ज्यादा दिखाई देते हैं. कार के शीशों पर बने ये छोटे-छोटे ब्लैक डॉट्स सिर्फ सजावट नहीं हैं, बल्कि सुरक्षा, मजबूती और बेहतर ड्राइविंग अनुभव का अहम हिस्सा हैं.

तरबूज का शरबत

खाना-खजाना

सामग्री

- ताजा तरबूजः 2-3 कप (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ, बीज निकाल दें)
- पुदीने की पत्तियांः 10-12 (ताजगी के लिए)
- नींबू का रसः 1 बड़ा चम्मच
- काला नमकः आधा छोटा चम्मच (स्वाद बढ़ाने के लिए)
- चीनी या शहदः 1 चम्मच
- बर्फ के टुकड़ेः जरूरत के अनुसार
- चाट मसालाः एक चुटकी

बनाने की विधि

सबसे पहले तरबूज के छिलके उतारकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कोशिश करें कि जितने हो सकें उतने बीज निकाल दें, ताकि शरबत का स्वाद कड़वा न हो।

एक मिक्सर जार या ब्लेंडर लें। इसमें कटे हुए तरबूज के टुकड़े, पुदीने की ताजा पत्तियां, काला नमक और चीनी डालें। अब इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक कि यह बिल्कुल स्मूद न हो जाए।

अगर आप बिल्कुल प्लेन और पतला शरबत पसंद करते हैं, तो इसे एक बड़ी छलनी से छान लें। हालांकि, तरबूज का पल्प सेहत के लिए अच्छा होता है, इसलिए आप इसे बिना छाने भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अब इसमें ताजा नींबू का रस मिलाएं और अच्छी तरह चलाएं। बस फिर, एक कांच का गिलास लें। उसमें 2-3 बर्फ के टुकड़े डालें। तैयार किया हुआ तरबूज का शरबत इसमें पलटें। ऊपर से एक चुटकी चाट मसाला छिड़कें और गिलास के किनारे पर पुदीने की एक पत्ती या तरबूज का छोटा टुकड़ा लगाकर इसे गार्निश करें।

अगर आप इस शरबत को थोड़ा और मजेदार बनाना चाहते हैं, तो इसमें आधा छोटा चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर मिला दें। यह न सिर्फ स्वाद को दोगुना कर देगा, बल्कि आपके पाचन के लिए भी बहुत अच्छा रहेगा।

वेज और नॉनवेज में कौन-सा भोजन तेजी से पचता है?

किस फूड को पचने में लगती है कितनी देर

स्वादिष्ट भोजन मिलने पर हम अपने पेट की सीमा भूल जाते हैं और तब तक खाते हैं, जब तक हमारा मन नहीं भर जाता है. कई बार ऐसा लगता है कि पेट तो बहुत ज्यादा भर गया है, लेकिन मन नहीं भर पाया है. ऐसा होने पर अक्सर पेट से जुड़ी कोई ना कोई दिक्कत होने लगती है. दरअसल, इसका सीधा संबंध हमारे पाचन तंत्र से है. पाचन तंत्र दुरुस्त रखने के लिए ये जरूरी है कि हमें पता हो कि कौन-सा भोजन पचने में कितनी देर लेता है.

आपने महसूस किया होगा कि कुछ चीजें पेट भर खाने के बाद भी जल्द ही भूख लगने लगती है. वहीं, कुछ चीजें बहुत कम खाने के बाद भी काफी देर तक पेट भरा-भरा लगता है. इसकी वजह उनके पचने में लगने वाले समय से जुड़ी है. क्या आपको पता है कि भोजन खाने के कितनी देर बाद पाचन तंत्र तक पहुंचता है? हमारा पाचन तंत्र भोजन को पोषक तत्वों में तोड़ने का काम करता है. इन्हीं पोषक तत्वों को हमारा शरीर इस्तेमाल करता है. हमारे शरीर का पूरा का पूरा सिस्टम पाचन तंत्र पर टिका है.

खाने की मात्रा और प्रकार पर निर्भर है पाचन समय

भोजन को पाचन तंत्र से गुजरने में लगने वाला समय खाने की मात्रा और उसके प्रकार पर निर्भर करता है. खाने वाले का लिंग, मेटाबॉलिज्म और पाचन संबंधी कई समस्याएं भी पाचन प्रक्रिया की गति पर असर डाल सकते हैं. मुंह में भोजन की शुरूआत के साथ शुरू होने वाली इस प्रक्रिया में चबाना और लार ग्रंथि द्वारा बनने वाली लार के जरिये कार्बोहाइड्रेट के टूटने की शुरुआत शामिल है. खाने के बाद भोजन मुंह को पेट से जोड़ने वाली एक मांसपेशीय नली ग्रासनली से

गुजरता है. इसमें कुछ ही सेकंड लगते हैं.

भोजन पेट में पहुंचता है, जहां यह गैस्ट्रिक रस और पाचन एंजाइम्स के साथ मिलता है. यह हिस्सा फूड पार्टिकल्स के मास डिसइंटिग्रेशन के लिए जरूरी जगह है. इसमें आमतौर पर 2 से 4 घंटे लगते हैं. गैस्ट्रिक प्रोसेसिंग के बाद पचा हुआ भोजन छोटी आंत में पहुंचता है. यहां करीब 4 से 6 घंटे में पाचन एंजाइम्स और पित्त भोजन को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट जैसे पोषक तत्वों में तोड़ देते हैं. फिर पानी, फाइबर और अनडायजेस्टेड सब्सटेंस के तौर पर बची हुई चीजें बड़ी आंत में चली जाती है. यहां 12 से 48 घंटों में कोलन वेस्ट मेटीरियल से पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का एब्जॉर्प्शन होता है, जिससे मल बनता है.

आपने खाए हुए भोजन के प्रकार का उसके पचने में लगने वाले समय से सीधा संबंध होता है. सरल कार्बोहाइड्रेट जल्दी पच जाते हैं, जबकि जटिल कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फैट लंबे समय तक टूटते हैं. फल जैसे अघुलनशील फाइबर तेजी से पचते हैं. वहीं, मांस को पचने में 2 से 3 दिन तक का समय लग सकता है. फल, सब्जी और साबुत अनाज समेत हाई फाइबर वाले भोजन पाचन तंत्र को धीमा कर सकते हैं. उम्र के साथ पाचन प्रक्रियाएं धीमी हो सकती हैं, जिसकी वजह से ट्रांजिट समय बढ़ सकता है. बच्चों और शिशुओं का पाचन अपने से बड़ी उम्र के लोगों की तुलना में तेज होता है. हाई मेटाबॉलिज्म वाले लोगों का डायजेशन तेज होता है. वहीं, धीमे मेटाबॉलिज्म वाले लोगों का खाया भोजन ज्यादा देर में पचता है.

मांस और मछली को पूरी तरह पचने में 2 दिन तक का समय लग सकता है. उनमें मौजूद प्रोटीन और वसा जटिल अणु होते हैं, जिन्हें आपके शरीर से अलग होने में अधिक समय लगता है. फल और सब्जियां एक दिन से कम समय में आपके सिस्टम में पहुंच सकते हैं. हाई फाइबर फूड्स पाचन तंत्र को सामान्य से ज्यादा कुशलता से चलाने में मदद करते हैं. कैंडी बार और चॉकलेट बार जैसे मीठे जंक फूड सबसे तेजी से पचते हैं. आपका शरीर कुछ ही घंटों में उन्हें खत्म कर देता है, जिससे आपको फिर से भूख लग जाती है.

आज का राशिफल

मेष : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें।

वृषभ : लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। कानूनी सहयोग मिलेगा। थकान महसूस हो सकती है।

मिथुन : भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क : व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पिकनिक का आनंद मिलेगा।

सिंह : आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

कन्या : मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

तुला : प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल हो सकता है।

वृश्चिक : पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। जोखिम के कार्य टालें, धैर्य रखें।

धनु : विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें।

मकर : व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दु:ख पहुंचाएगा।

कुंभ : ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन : दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें। कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या आप भी गर्मियों में नए मटके का पी रहे पानी

तो यहां जानें कैसे करें इस्तेमाल

जानें जरूरी टिप्स

गर्मियों के दिनों में लोग मटके का पानी पीना पसंद करते हैं. अगर आप भी नया मटका खरीदने जा रहे हैं या फिर खरीदकर लाए हैं. तो आज हम आपको नए मटके को इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में बताएंगे. जो आपके सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है.

गर्मियों के मौसम में आप आप मार्केट से नया मटका खरीदने जा रहे हैं. तो सबसे पहले मटके को खरीदते समय हल्के हाथों से बजाकर देखें. अगर मटका पक्की मिट्टी का होगा, तो धीरे से बजाने पर तेज आवाज करेगा. इस तरह के मटके में पानी हमेशा अच्छी तरीके से ठंडा बना रहेगा.

मटके में पानी को ठंडा रखने के लिए कपड़े की मदद भी ले सकते हैं. इसके लिए तकरीबन दो-तीन मीटर सूती कपड़ा या फिर साड़ी लें और इसको पानी में अच्छे

से भिगों कर मटके के चारों और लपेट दें. ध्यान रखें कि कपड़ा सूखना नहीं चाहिए. इसलिए जब भी कपड़ा सूखने लगे, तो थोड़ा सा पानी डालकर इसको भिगो दें. इससे बाहर का गर्म तापमान मटके पर असर नहीं करेगा और मटके का पानी ठंडा-ठंडा, कूल-कूल बना रहेगा.

आपको बता दें कि किसी भी मटके को आप 1 साल तक ही इस्तेमाल कर सकते हैं. मटके को इस्तेमाल करने के लिए धोए बिना इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. क्योंकि इसमें फंगस लग जाती है, जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है. इसीलिए मटके को रोजाना धोकर ही उसमें पानी भरें.

AC की हवा में रहने वाले हो जाएं सावधान

घेर सकते हैं ये बड़े रोग

चिपचिपी गर्मी और धूप से राहत पाने के लिए लोग एसी की हवा का सहारा लेते हैं। आज के समय में ज्यादातर लोगों के लिए एसी के बिना जीवन की कल्पना करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। आधुनिक जीवन में आराम की गारंटी देने वाला ये एसी क्या आप जानते हैं आपकी सेहत के लिए अनजाने में कितने खतरे पैदा कर रहा है? जी हां, जो लोग गर्मी से बचने के लिए पूरा-पूरा दिन एसी की हवा में गुजारते हैं, उन्हें सिरदर्द, खांसी, मतली और ड्राई स्किन जैसी कई अन्य समस्याएं परेशान कर सकती हैं। आइए जानते हैं जरूरत से ज्यादा एसी की हवा में रहने से सेहत को होते हैं क्या नुकसान।

लंबे समय तक एसी की हवा में रहने के नुकसान-

डिहाइड्रेशन- लंबे समय तक एसी की हवा में रहने से व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। बता दें, एसी की हवा में लंबे समय तक बैठे रहने से व्यक्ति को प्यास नहीं लगती है। जिसकी वजह

से शरीर में पानी की कमी हो सकती है। बॉडी में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की वजह से सिरदर्द और माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है।

ड्राई स्किन- ज्यादा समय तक एसी की हवा में रहने से शरीर में मौजूद नमी खत्म होने लगती है। जिससे त्वचा ड्राई होकर फटने के साथ सिकुड़ी हुई महसूस होती है। जिससे झुर्रियां और फाइन लाइंस दिखने के साथ एजिंग की प्रक्रिया भी तेजी से बढ़ने लगती है।

मोटापा- अगर आप अपने बढ़ते मोटापे से परेशान हैं तो एसी की हवा का लालच थोड़ा कम कीजिए। जी हां, एसी का ज्यादा इस्तेमाल आपके मोटापे की समस्या को और ज्यादा बढ़ा सकता है। दरअसल, तापमान कम होने की वजह से व्यक्ति का शरीर अधिक सक्रिय नहीं हो पाता। जिसकी वजह से शरीर की ऊर्जा का सही तरह से उपयोग नहीं होता और शरीर में चर्बी बढ़ने लगती है।

जोड़ों में दर्द- ज्यादा देर एयर कंडीशनर की हवा में रहने से बदन दर्द के साथ जोड़ों में दर्द की समस्या भी पैदा होने लगती है। ठंडी हवा शरीर में ऐंठन पैदा करके जोड़ों और कमर में दर्द का कारण बनती है। द कंफर्ट अकेडमी की एक रिसर्च में पाया गया कि जोड़ों के दर्द से पीड़ित लोगों में एयरकंडीशनर में ज्यादा देर तक रहने से दर्द की समस्या बढ़ने लगती है।

दिमाग पर बुरा असर- एसी का तापमान कम होने पर दिमाग की कोशिकाएं सिकुड़ जाती है। जिससे दिमाग की क्षमता और क्रियाशीलता प्रभावित होती है। इतना ही नहीं आपको लगातार चक्कर आने की समस्या पैदा होने के साथ सिर दर्द की शिकायत भी हो सकती है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भीषण हादसा : डंपर ने बोलेरो सवारों को कुचला, 3 महिलाओं समेत 6 की मौत, 4 घायल

उन्नाव. यूपी के उन्नाव में भीषण हादसा हो गया। बुधवार को तेज रफ्तार डंपर बोलेरो को टक्कर मारते हुए पलट गया। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बिहार थाना क्षेत्र में सुमेरपुर-बक्सर मार्ग पर खरही पुल के पास हुई। जानकारी के अनुसार बुधवार को एक तेज रफ्तार डंपर ने बोलेरो सवार को टक्कर मारी और फिर पलट गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी के अंदर बैठे लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

छात्र पर केस में दारोगा और दो सिपाही निलंबित

आगरा. यूपी के आगरा में शास्त्रीपुरम स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में कक्षा दस के नाबालिग छात्र से मारपीट के मामले में मुकदमा लिखना सिकंदरा थाना पुलिस को भारी पड़ गया। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट (जेजे ऐक्ट) में नाबालिग के खिलाफ मुकदमा लिखने से पहले उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करना था। पुलिस जेजे ऐक्ट से अनजान रही। मुकदमा लिखने की जानकारी पर डीसीपी सिटी ने एक दरोगा और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया है। लापरवाही पर इंस्पेक्टर सिकंदरा के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के साथ ही पुलिस आयुक्त को कार्रवाई के लिए लिखा गया है।

सल्फास लेकर एजेंसी पर पहुंच गया शिक्षक, सिलेंडर के लिए की जान देने की कोशिश

मेरठ. ईरान युद्ध से उपजे हालात में रसोई गैस (LPG) सिलेंडरों की आपूर्ति में सुधार के दावों के बीच मंगलवार की शाम यूपी के मेरठ में एक गैस एजेंसी पर अजीबोगरीब हालात पैदा हो गए। यहां एक शिक्षक सल्फास लेकर पहुंच गया और सबके सामने सुसाइड की कोशिश करने लगा। शिक्षक की इस हरकत से एजेंसी पर हड़कंप मच गया। शिक्षक कृष्ण स्वरूप त्यागी का आरोप था कि बुकिंग के 20 दिन बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। एजेंसी पर तैनात कर्मचारियों ने उन्हें समझा बुझाकर शांत कराया और सिलेंडर देने की बात कही। महादेव गांव निवासी कृष्ण स्वरूप त्यागी शिक्षक हैं। कृष्ण स्वरूप ने बताया कि कालंद चुंगी स्थित भारत गैस एजेंसी से कनेक्शन लिया हुआ है। बीती चार अप्रैल को उन्होंने गैस बुक कराई थी। आरोप है कि 20 दिन बीतने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिला।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बोलेरो, बारात में बिहार से यूपी आए 3 लोगों की दर्दनाक मौत

देवरिया. उत्तर प्रदेश के देवरिया में मंगलवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में बिहार के गोपालगंज से बारात में शामिल होने के लिए देवरिया आ रहे पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। देवरिया के बघौचघाट के हाजी मार्केट के पास उनकी बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज, देवरिया में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बिहार के गोपालगंज जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के रुपई गांव के रहने वाले ये लोग देवरिया में किसी बारात में शामिल होने के लिए पथरदेवा की तरफ आ रहे थे। मंगलवार देर रात तेज रफ्तार के कारण बोलेरो का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी बेकाबू होकर बघौचघाट के हाजी मार्केट के पास पेड़ से जा टकराई।

PM मोदी ने यूपी के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया

- हरिद्वार से भी जुड़ेगा
- PM बोले- बंगाल जैसी बंपर वोटिंग दशकों में नहीं देखी

हरदोई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूपी के हरदोई में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने ऐलान किया कि एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। पीएम ने सपा और कांग्रेस पर कहा- सपा विकास और नारी विरोधी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने इनका नारी विरोधी चेहरा देखा है। इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन के खिलाफ वोट किया।

पीएम ने पश्चिम बंगाल में चल रही दूसरे चरण की वोटिंग का जिक्र किया। कहा- जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। ऐसी वोटिंग दशकों में नहीं देखी। इससे पहले पीएम ने एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया। सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे पर पैदल भी चले। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इससे मेरठ से प्रयागराज की दूरी सिर्फ 6 घंटे में पूरी होगी। अब तक 11-12 घंटे लगते थे। एक्सप्रेस-वे करीब 37,350 करोड़ रुपए की लागत से 5 साल में बनकर तैयार हुआ है। इस हिसाब से 1 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की औसत लागत करीब 62 करोड़ 87 लाख रुपए है।

मोदी ने ही 18 दिसंबर, 2021 को शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था। इससे पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे था, जिसकी लंबाई 340 किमी है।

मोदी ने काशी विश्वनाथ में पूजा की, त्रिशूल लहराया

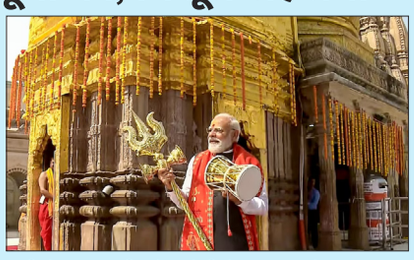

काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह में 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की। पांच पंडितों ने उन्हें पूजा कराई, माला पहनाई और त्रिपुंड लगाया। पीएम मंदिर से बाहर निकले तो भाजपा नेताओं ने उन्हें त्रिशूल और डमरू भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने त्रिशूल उठाकर लहराया।

पीएम 14 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए विश्वनाथ मंदिर पहुंचे थे। गेट पर 108 बटुकों ने शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया। मंदिर में पीएम बच्चों से भी मिले और उनसे बातचीत की।

बंगाल- 6 एग्जिट पोल में से 5 में भाजपा सरकार

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दो चरणों में हुए मतदान बुधवार को खत्म हो गए। अब चार मई को नतीजों का इंतजार है। उससे पहले, आज शाम साढ़े छह बजे से एग्जिट पोल के आंकड़े आने लगे हैं। पांच में से चार सर्वों में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की डेढ़ दशक बाद बंगाल से हार होती दिख रही है। लेकिन एक सर्वे एजेंसी है, जिसने राज्य में टीएमसी की जीत का दावा किया है। पीपुल्स पल्स सर्वे एजेंसी ने अपने एग्जिट पोल में राज्य में लगातार चौथी बार ममता सरकार बनने का अनुमान लगाया है।

पीपुल्स पल्स के पश्चिम बंगाल एग्जिट पोल के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस को राज्य में 177-187 सीटें मिल सकती हैं, जबकि भाजपा को 95-110 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस को एक से तीन सीटें दी गई हैं। कुल पांच सर्वे में मैटराइज ने बंगाल में भाजपा सरकार की जीत का दावा किया है। भाजपा को 146-161, टीएमसी को 12-140 सीटें मिल सकती हैं। पी मार्क्यू के एग्जिट पोल में भाजपा को 150-175, टीएमसी को 118-138 सीटें दी गई हैं।

इसके अलावा, पोल डायरी एजेंसी के अनुसार, टीएमसी को 99-127, भाजपा को 142-171 सीटें दी गई हैं। कांग्रेस को तीन से पांच सीटें मिल सकती हैं। प्रजा पोल सर्वे एजेंसी में भी भाजपा की बंपर जीत का अनुमान लगाया गया है। बंगाल में भाजपा 178-208 सीटें तक जा सकती है, जबकि टीएमसी महज 85-110 पर ही सिमटी दिख रही।

पश्चिम बंगाल में दूसरे फेज में 90 फीसदी मतदान

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में शाम पांच बजे तक 89.99 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ था और वोटिंग का समय शाम छह बजे तक है। राज्य के पूर्वी बर्धमान जिले में शुरूआती दस घंटों (शाम पांच बजे तक) में सबसे अधिक 92.46 प्रतिशत और कोलकाता दक्षिण जिला में सबसे कम 86.11 प्रतिशत मतदान हुआ।

भाजपा बोली- EVM में BJP बटन पर टेप लगाया

- EC बोला- शिकायत सही तो दोबारा वोटिंग
- सुवेंदु के सामने चोर-चोर के नारे

पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग हो रही है। कई जगहों से मारपीट, लाठीचार्ज, नारेबाजी और EVM से छेड़छाड़ जैसी घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर के फालता में EVM में BJP के बटन पर टेप लगाया गया है।

आरोपों पर चुनाव आयोग ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर EVM में टेप मिलने की शिकायत सही मिलेगी, वहां दोबारा चुनाव होंगे। भवानीपुर में CM ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को घेरकर TMC समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। सुवेंदु एक पोलिंग बूथ का इंस्पेक्शन करने पहुंचे थे।

साउथ 24 परगना जिले में BJP उम्मीदवार विकास सरदार ने TMC समर्थकों पर कार का शीशा तोड़ने का आरोप लगाया। पानीहाटी से BJP उम्मीदवार और आरजी कर रेप विक्टिम की मां रत्ना देबनाथ ने आरोप लगाया कि TMC कार्यकर्ताओं ने 'गो बैक' के नारे लगाते हुए उनपर हमला किया।

तमिलनाडु में भाजपा की दस्तक

- एग्जिट पोल में AIADMK गठबंधन को 147 सीटें

नई दिल्ली. टाइम्स नाउ ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर एग्जिट पोल जारी कर दिया है। JVC के एग्जिट पोल के मुताबिक, तमिलनाडु में इस बार सरकार बदलने वाली है। बीजेपी के गठबंधन वाले AIADMK को 128-147 सीटें मिल सकती हैं। डीएमके गठबंधन को 75-95 सीटें मिलने के आसार हैं। एक्टर विजय की टीवीके को महज 8-15 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य के खाते में जीरो सीट है। तमिनलाडु में विधानसभा की कुल 234 सीटें हैं।

टाइम्स नाउ ने असम विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर एग्जिट पोल जारी कर दिया है। इसके मुताबिक, असम में NDA को बढ़त दिख रही है। एनडीए को 46.5% से 48.5% तक वोट मिलने के आसार हैं। कांग्रेस गठबंधन को 36.5% से 39.5% तक वोट मिल सकते हैं। अन्य पार्टियों के खाते में 14%-15% तक वोट मिलने का अनुमान है। टाइम्स नाउ ने JVC का एग्जिट पोल जारी किया है।

केरल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर टाइम्स नाउ का एग्जिट पोल आ गया है। JVC के एग्जिट पोल के मुताबिक, केरल में LDF को झटका लगता दिख रहा है। एलडीएफ गठबंधन में एग्जिट पोल में 52 से 61 सीटें मिलती दिख रही हैं। UDF गठबंधन को 72 से 84 सीटें मिल सकती हैं। एनडीए गठबंधन के हाथ निराशा लग सकती है। एग्जिट पोल में केरल में NDA को 3-7 सीटें मिलने के आसार हैं। अन्य दलों का खाता खुलता नहीं दिख रहा है।

असम में विधानसभा की कुल 226 सीटें हैं। टाइम्स नाउ के एग्जिट पोल के मुताबिक, NDA को 88 से 101 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस गठबंधन के खाते में 22-23 सीटें जाती दिख रही हैं। अन्य को 2-5 सीटें मिल सकती हैं। इस तरह असम में एक बार फिर से हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार बनती दिख रही है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- जिसे खुजली हो, दरबार आ जाए

- अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने 10 नाम बताने की चुनौती दी;
- कहा- बदले में 80 लाख देंगे

नागपुर. बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री नागपुर के रेशम बाग में 26 से 30 अप्रैल तक श्रीराम कथा कर रहे हैं। इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री और अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के श्याम मानव के बीच आस्था, अध्यात्म और विज्ञान को लेकर विवाद बढ़ गया है। श्याम मानव ने 80 लाख रुपए की चुनौती दी, जिसे बाबा ने स्वीकार किया।

श्याम मानव ने बाबा को 10 लोगों के नाम, उनके पिता का नाम, उम्र और मोबाइल नंबर सटीक

बताने की चुनौती दी है। साथ ही, 'अतींद्रिय शक्ति' की परीक्षा के लिए बंद कमरे में रखी 10 वस्तुओं की पहचान करनी होगी।

दोनों परीक्षाओं में कम से कम 90 प्रतिशत सटीकता जरूरी रखी गई है। यह प्रक्रिया नागपुर में पत्रकारों की मौजूदगी में होगी। समिति ने कहा कि सफलता पर 80 लाख रुपए दिए जाएंगे, नहीं तो इसे लोगों की भावनाओं का लाभ उठाना माना जाएगा।

बता दें, यह विवाद नया नहीं है। जनवरी 2023 में भी नागपुर में श्याम मानव ने 30 लाख रुपए की चुनौती दी थी। तब आरोप लगा था कि बाबा दो दिन पहले कथा छोड़कर चले गए थे, जिसे बाबा ने खारिज किया था।

- धीरेंद्र शास्त्री बोले- अपनी विद्या का प्रस्तुतिकरण करेंगे

मंगलवार को बाबा ने चुनौती स्वीकार करते हुए कहा, "कोई भी 'खुजली' हो, दरबार लगना है, आ जाइए। हमारे पास जो विद्या होगी और जो शक्ति होगी, हम उसका प्रस्तुतिकरण करेंगे। हम जादूगर नहीं हैं। हमें जो ईश्वर प्रेरणा देगा, हम उसी के अनुसार लोगों का मार्गदर्शन करेंगे।

श्याम मानव बोले- सब सही रहा तो हम हार मान लेंगे

"श्याम मानव ने कहा कि अगर बाबा 10 लोगों के नाम, उम्र और मोबाइल नंबर सही बताते हैं, तो वे हार मान लेंगे। विवाद के कारण नागपुर का माहौल गरम है। एक ओर श्रद्धालु बाबा के समर्थन में उमड़ रहे हैं, वहीं कुछ संगठन उनके पुराने बयानों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

बहन का कंकाल ले जाने वाले व्यक्ति को बैंक ने लौटाया पैसा

ओडिशा में एक व्यक्ति ने अपनी बहन का शव कब्र से निकालकर बैंक तक ले गया, क्योंकि बैंक ने उसे उसके खाते से लगभग 20 हजार रुपये निकालने की इजाजत नहीं दी। सड़क पर कंकाल लेकर चलते हुए जीतू मुंडा का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। सरकारी हस्तक्षेप के बाद मंगलवार को बैंक ने उसकी बहन की जमा राशि उसे सौंप दी। जीतू की बहन कालरा का निधन 26 जनवरी को हो गया था।

जीतू मुंडा ने कहा, 'मैं कई बार बैंक गया। मैंने उन्हें बताया कि मेरी बहन की मृत्यु हो गई है, फिर भी वे बार-बार यही कहते रहे कि मैं उसे बैंक लाऊं, ताकि उनके नाम पर जमा राशि निकाली जा सके।'

सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हम इस देश की सभ्यता और धार्मिक इतिहास नहीं भूल सकते

नई दिल्ली. केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता।

एडवोकेट जयसिंह ने सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला

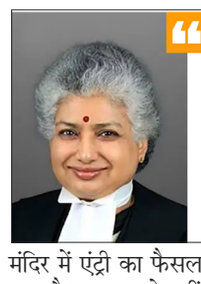

अगर कोई सेक्युलर एक्टिविटी धार्मिक गतिविधियों से प्रभावित होती है, तो सरकार इसमें दखल दे सकती है।

जस्टिस बी वी नागरत्ना सबरीमाला केस में कहा

मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल रहा है।

जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता है।

इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टिकल 25 और 26 आए हैं। संविधान और बाकी सब ठीक है लेकिन हमें इतिहास नहीं भूलना चाहिए। आप अतीत को नजरअंदाज करके यह नहीं कह सकते कि यह एक कोरी स्लेट है। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है।

पंजाब पहला मैच हारी

- राजस्थान ने 6 विकेट से हराया
- जायसवाल-फरेरा की फिफ्टी
- सूर्यवंशी ने 16 बॉल पर 43 रन बनाए

पंजाब किंग्स को IPL 2026 में पहली हार मिली। मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की और 19.2 ओवर में लक्ष्य हासिल किया।

न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में टॉस हारकर पंजाब ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस ने नाबाद 62 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन सिंह ने 59 रन बनाए कप्तान श्रेयस अय्यर ने 30 रन का योगदान दिया।

223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने पावरप्ले में तेज शुरुआत करते हुए 84 रन बना लिए। वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों पर 43 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 27 गेंदों पर 51 रन की फिफ्टी लगाई। डोनोवन फरेरा ने 52 रन की नाबाद पारी खेली। शुभम दुबे ने 31 रन बनाए और दोनों ने 5वें विकेट के लिए 32 बॉल पर 77 रन जोड़े।

- आखिरी 6 ओवर में 72 रन बने

14वें ओवर की आखिरी बॉल पर युजवेंद्र चहल ने राजस्थान के कप्तान रियान पराग को आउट किया। यहां से टीम को जीत के लिए 72 रन चाहिए थे। ऐसे में फरेरा ने 6 चौके और 3 सिक्स से 26 बॉल पर 52 रन बनाए और सिक्स लगाकर मैच जिता दिया।

- जायसवाल की फिफ्टी

राजस्थान से वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की ओपनिंग जोड़ी ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। वैभव ने 16 बॉल पर 3 चौके और 5 छक्कों के सहारे 43 रन बनाए। जबकि जायसवाल 27 बॉल पर 51 रन बनाकर आउट हुए।

- पंजाब से 2 बैटर्स की फिफ्टी

पंजाब से मार्कस स्टोयनिस ने 62 और ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने 59 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। राजस्थान की ओर से यशराज पुंजा ने 4 ओवर में 41 रन देकर 2 विकेट झटके। जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर को एक-एक विकेट मिला।

- चेज करते हुए राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 223 रन का टारगेट चेज किया। यह IPL में चेज करते हुए टीम की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। राजस्थान ने 2020 में शारजाह में पंजाब के खिलाफ ही 224 रन का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया था। दूसरे नंबर पर 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली जीत है।

22 से 28 साल के लड़के बन रहे लड़की

- भोपाल एम्स में एक साल में 5 सर्जरी
- डॉक्टर बोले-भविष्य में 'मां' भी बन सकते हैं

भोपाल. एमपी के राजगढ़ का रहने वाला सोमेश जैसे ही 10 साल का हुआ, वह लड़कियों की तरह व्यवहार करता और उनके तरह कपड़े पहनना पसंद करने लगा। परिवार को भी अहसास हो गया कि वह अंदर से एक लड़की है। 24 साल के होने पर उसने अपना जेंडर चेंज करवाया और सर्जरी करवाकर लड़की बन गया।

यह एक अकेले सोमेश का केस नहीं है। मध्य प्रदेश में ऐसे और

भी केस सामने आए हैं, जिनमें लड़के जेंडर चेंज करवाकर लड़की बन रहे हैं।

एम्स भोपाल में सामने आए मामलों ने यह साफ कर दिया है कि जेंडर आइडेंटिटी का सवाल छोटे शहरों और कस्बों तक पहुंच चुका है। बीते एक साल में एम्स भोपाल में 5 जेंडर कंवर्जन सर्जरी हुई हैं। इनमें शामिल सभी मरीज 22 से 28 वर्ष की आयु के बीच के युवक हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि यह सिर्फ सर्जरी नहीं, बल्कि लंबी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक प्रक्रिया है। भविष्य में ऐसी तकनीक विकसित हो सकती है, जिससे ये मरीज मां बनने का अनुभव भी कर सकें।

डॉक्टर से समझें बॉटम सर्जरी की जटिलताएं

एम्स भोपाल के स्त्री रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार डोरा ने बताया कि अब तक 5 सर्जरी की गई हैं, जिनमें मरीज को पुरुष से महिला बनाया गया है। यह बेहद जटिल सर्जरी होती है। हमारी पढ़ाई के समय इस तरह की सर्जरी का एक्सपोजर नहीं था। हमने बाद में कॉन्फ्रेंस और स्किल डेवलपमेंट कोर्स से इनकी ट्रेनिंग ली है। डॉ. डोरा ने बताया कि बॉटम सर्जरी में सबसे पहला चैलेंज होता है कि पुरुष के प्राइवेट पार्ट को हटाना होता है। एम्स में यह सर्जरी अभी निःशुल्क की जा रही है। प्राइवेट अस्पतालों में इसका 8 से 10 लाख रुपए का खर्च आता है।

100% मुस्लिम आबादी वाले वार्ड में हिंदू महिला विजयी

गोधरा. गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा ने निर्णायक जीत हासिल कर ली। भाजपा ने 9,900 से अधिक सीटों में से 6,472 सीटें जीत ली है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस ने 1,412 सीटें हासिल की हैं। वहीं निर्दलीय, आम आदमी पार्टी (आप), एआईएमआईएम सहित अन्य दलों ने 597 सीटें जीती हैं। अधिकारियों ने बताया कि भाजपा ने 15 नगर निगमों में विजय हासिल कर चुकी है। खासकर गोधरा के चुनाव नतीजों ने सामाजिक सद्भाव की बेजोड़ मिसाल पेश की है।

अफसर की हत्या करने वाले का एनकाउंटर

- बेटी बोली- थाने में सरेंडर करने गए थे
- पुलिस ने कहा- कुख्यात ने पहले फायरिंग की

सुल्तानगंज. बिहार में योगी स्टाइल में भागलपुर हत्याकांड के आरोपी का एनकाउंटर हुआ है। मर्डर के 12 घंटे के अंदर पुलिस ने अपराधी को ढेर कर दिया है। भागलपुर में मंगलवार दोपहर 3 बजे सुल्तानगंज नगर परिषद ऑफिस में सरकारी अफसर की हत्या हुई थी। बदमाशों ने चेयरमैन को भी गोली मारी थी।

देर रात 2.30 बजे पुलिस

एनकाउंटर में अपराधी मारा गया। मुठभेड़ में DSP नवीन, इंस्पेक्टर परमेश्वर और इंस्पेक्टर मृत्यंजय भी घायल हुए हैं। एनकाउंटर सुल्तानगंज थाने से महज 200 मीटर दूर बाइपास रोड इलाके में हुआ है। जहां मुठभेड़ हुई है, वहां से रामधनी यादव का घर 100 मीटर की दूरी पर है।

सूत्रों के मुताबिक, भागलपुर पुलिस ने रामधनी यादव के चारों बेटों, पत्नी नीलम देवी समेत कुल 8 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सुल्तानगंज थाने और आसपास इलाकों में पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। खुद IG मौके पर पहुंचे हैं और हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रहे हैं।

रामधनी की बॉडी परिवार को सौंपी गई

दोपहर करीब 2.30 बजे पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने मृतक रामधनी की बॉडी बेटी (पेशे से कटोरिया में तैनात ANM) प्रियंका कुमारी को सौंप दिया है। पुलिस की सुरक्षा में ही बॉडी को सुल्तानगंज ले जाया जा रहा है।

वहीं, CID के DIG जयंत कांत और SP ने सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने एनकाउंटर के पूरे घटनाक्रम को रीकंस्ट्रक्ट करने की कोशिश की। कहां से फायरिंग हुई, पुलिस की पोजिशन क्या थी और आरोपी की मूवमेंट कैसी थी। इन सभी पहलुओं पर गहराई से जांच की जा रही है।

SP प्रमोद यादव ने बताया, पुलिस ने CCTV के आधार पर एक अपराधी रामधनी यादव की पहचान की थी। रामधनी डिप्टी चेयरमैन नीलम देवी का पति है। रामधनी यादव ने गिरफ्तारी के डर से सरेंडर किया था।

संक्षेप...

डिवाइडर से टकराने के बाद कार में आग लगी

पालघर. पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर बुधवार को 'डिवाइडर' से टकराने के बाद एक कार में आग लग गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. घटना के समय कार में तीन लोग सवार थे. कासा थाने के एएसआई सुनील माली ने बताया कि आग लगने से कुछ ही क्षण पहले कार सवार तीनों लोगों को बाहर निकाल लिया गया और इस घटना के कारण व्यस्त मार्ग पर एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा. अधिकारी ने बताया कि मुंबई से गुजरात जा रही कार आधी रात के आसपास सड़क के 'डिवाइडर' से टकराकर पलट गई और उसके दरवाजे बंद हो गए, जिससे उसमें सवार लोग अंदर फंस गए.

दागी नेताओं के सामने खड़े न हों अफसर

■ राज्य सरकार ने बदला प्रोटोकॉल

मुंबई. महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने एक नया सरकारी प्रस्ताव (GR) जारी करते हुए प्रोटोकॉल नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए नियमों के मुताबिक, राज्य के अधिकारियों को अब से वैसे माननीय विधायकों या सांसदों के लिए खड़े होकर उनका अभिवादन करने की जरूरत नहीं है, जिन्हें दोषी ठहराया गया है, या जिन्हें किसी जांच/सुनवाई के लिए बुलाया गया है, या जो चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए किसी सरकारी दफ्तर में मौजूद हैं।

राज्य सरकार ने इस संबंध में मंगलवार (28 अप्रैल) को एक सरकारी प्रस्ताव (GR) जारी किया, जिसमें 20 नवंबर, 2025 के पिछले निर्देशों में संशोधन किया गया है। पहले के निर्देशों में अधिकारियों के लिए यह अनिवार्य था कि जब चुने हुए प्रतिनिधि किसी बैठक के लिए आएं और बैठक खत्म होने के बाद जाएं, तो वे खड़े होकर उनका अभिवादन करें।

नए नियमों के मुख्य बिंदुः

मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा 28 अप्रैल, 2026 को हस्ताक्षरित इस आदेश के अनुसार, अधिकारियों को उन स्थितियों में माननीयों को विशेष प्रोटोकॉल (जैसे खड़ा होना या विशेष अभिवादन) देने की जरूरत नहीं है, जब उनके सामने कोई ऐसे जनप्रतिनिधि आते हों जो किसी आपराधिक या अन्य मामले में दोषी ठहराए गए हों, या अगर उन्हें किसी जांच/सुनवाई के लिए अपीलकर्ता या पक्षकार के तौर पर बुलाया गया है, या अगर वे चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाओं (जैसे नामांकन पत्र दाखिल करना, जांच-पड़ताल या सुनवाई) के लिए किसी सरकारी दफ़्तर में मौजूद हैं।

आम नागरिकों जैसा ही व्यवहार करें

GR में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि ऐसे मामलों में, संबंधित अधिकारियों से यह उम्मीद की जाती है कि वे कानून, नियमों और मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार, बिना किसी विशेष प्रोटोकॉल के चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ आम नागरिकों जैसा ही व्यवहार करें। इससे पहले नवंबर 2025 में, तत्कालीन मुख्य सचिव राजेश कुमार ने सरकारी अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे कि वे विधायकों या सांसदों के साथ सम्मानपूर्वक और सौहार्दपूर्ण ढंग से व्यवहार करें। संशोधित खंड में कहा गया था, "अधिकारियों को विधानसभा/संसद के सदस्यों के बैठक के लिए आने पर और बैठक खत्म होने के बाद उनके जाने पर खड़े होकर उनका अभिवादन करना चाहिए।"

RPF जवान की सतर्कता से मां और बच्चे की बची जान

■ घटना CCTV में कैद

कल्याण. कल्याण रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ जवान की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। 28 अप्रैल की शाम, चलती ट्रेन से उतरते समय फिसल गई एक महिला और उसके एक वर्षीय बच्चे को आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक हेमंत भरगुड़े ने तुरंत दौड़कर सुरक्षित बचा लिया। उक्त महिला अंतिमा शुक्ला अपने एक वर्षीय बेटे सर्वज्ञ शुक्ला के साथ प्रयागराज से मुंबई की यात्रा कर रही थीं। ट्रेन के कल्याण स्टेशन पर पहुंचते समय उतरने की कोशिश में उनका संतुलन बिगड़ गया और वे बच्चे सहित प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच की जगह में गिर गईं। हालांकि, वहां ड्यूटी पर तैनात एएसआई हेमंत भरगुड़े ने सतर्कता दिखाते हुए बिना एक पल गंवाए दौड़ लगाई और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आरपीएफ कर्मी की इस बहादुरी और सतर्कता की प्रशंसा हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि होंगे महेश सुखरामानी

■ सिंधु एकता मंच द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

उल्हासनगर। सिंधु एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कोटवानी अपनी टीम के साथ उल्हासनगर में महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष व शिवसेना नगरसेवक महेश सुखरामानी के कार्यालय आए हुए थे। जहां उन्होंने महेश सुखरामानी को 5वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया है। यह उल्हासनगर शहर के लिए गर्व की बात है।

इस अवसर पर गीता टिलवानी (महिला अध्यक्ष), आशा कोटवानी (कोर कमेटी मेंबर), प्रकाश मेघानी (कोर कमेटी मेंबर) एवं कविता देवनानी (वाइस प्रेसिडेंट, महिला विंग) उपस्थित रहे। यह सम्मेलन 13 से 15 जुलाई 2026 के बीच उदयपुर में आयोजित किया जाएगा।

सिंधु एकता मंच एक तेजी से विकसित हो रहा संगठन है, जिसके 45,000 से अधिक सदस्य हैं। संस्था सिंधी भाषा और संस्कृति के संरक्षण व प्रसार के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय है। इसके तहत जरूरतमंद लोगों को राशन उपलब्ध कराना और विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाती है। संस्था ने पिछले वर्षों में गोवा (2022), दमन (2023), अयोध्या (2024) और काठमांडू, नेपाल (2025) में सफल सम्मेलन आयोजित किए हैं। काठमांडू सम्मेलन संस्था का पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन था।

उदयपुर में होने वाला यह सम्मेलन अब तक का सबसे बड़ा आयोजन माना जा रहा है, जिसमें 15 से अधिक राज्यों से 400 से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया, दुबई और यूनाइटेड किंगडम से भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग लेंगे।

सिंधु एकता मंच ने कहा कि महेश सुखरामानी की उपस्थिति और मार्गदर्शन सिंधी समाज के लिए प्रेरणादायक रहेगा और सामाजिक व सांस्कृतिक विकास पर वैश्विक स्तर पर सार्थक चर्चा को बढ़ावा देगा। इस सम्मेलन में विशेषता यह रहेगी कि पहली बार मैट्रिमोनियल के लिए हेल्प डिस्क रखी जाएगी जिसकी अध्यक्षता एडवोकेट श्रीचंद जग्यासी करेंगे।

मुंबई हमला मामले में बरी व्यक्ति को ऑटो-रिक्शा चलाने के लिए पीसीसी जारी करने से इनकार

मुंबई. बंबई उच्च न्यायालय ने 26/11 के मुंबई हमला मामले में बरी किए गए फहीम अंसारी की उस याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने आजीविका के लिए ऑटो-रिक्शा चलाने के वास्ते पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) जारी किए जाने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति एएस गडकरी और न्यायमूर्ति रंजीत सिन्हा भोंसले की पीठ ने कहा कि संबंधित प्राधिकारी का अंसारी को पीसीसी जारी न करने का फैसला उचित था।

पीसीसी एक सरकारी दस्तावेज है, जो प्रमाणित करता है कि संबंधित व्यक्ति का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

विस्तृत आदेश की प्रति बाद में उपलब्ध कराई जाएगी।

अंसारी ने पिछले साल जनवरी में आरटीओ बैज और परमिट के लिए अनिवार्य पीसीसी को जारी किए जाने का उसका आवेदन खारिज होने के बाद उच्च न्यायालय का रुख किया था। प्राधिकारियों ने अंसारी को एक आरटीआई आवेदन के जवाब में सूचित किया था कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैबा से संबंधों के आरोपों के चलते उसे पीसीसी जारी नहीं किया जा सकता है।

भिवंडी में आरक्षित ज़मीन पर कब्ज़ा करने वालों के खिलाफ़ मनपा की कार्रवाई

■ कई चॉल ध्वस्त
■ सैकड़ों परिवार उजड़े

भिवंडी. भिवंडी शहर के टेमघर इलाके में मनपा की आरक्षित ज़मीन पर कब्ज़ा करके बनाई गई चॉल को मनपा वार्ड कमेटी नंबर 2 के असिस्टेंट कमिश्नर विनोद मनोरे ने अतिक्रमण टीम की मदद से JCB चलाकर गिरा दिया है।

टेमघर में सर्वे नंबर 19 में गुरुचरण साइट मनपा के डेवलपमेंट प्लान में एक स्कूल और स्कूल ग्राउंड के लिए रिज़र्व थी। स्थानीय लोगों ने पिछले कई सालों से इस जगह पर कब्ज़ा करके चॉल बना ली थी। इस बारे में अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट ने रिज़र्व ज़मीन की पैमाइश करके संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया और मंगलवार को यह कार्रवाई की गई। वार्ड कमेटी नंबर 2 के असिस्टेंट कमिश्नर विनोद मनोरे ने बताया है कि इस कार्रवाई में करीब 100 घर गिराए गए हैं।

यहां के लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया है और विल्सन ठाकुर ने आरोप लगाया है कि मनपा ने जानबूझकर हमें उजाड़ने के लिए यह कार्रवाई की है। यह ज़मीन हमारे परिवार की है। महानगर पालिका ने हमें नोटिस दिया था लेकिन हमारी ज़मीन नापने के बाद कार्रवाई करना चाहती थी। लेकिन महानगर पालिका ने ज़मीन नापते समय हमें कोई जानकारी नहीं दी. हम दस साल से यहाँ अपनी ज़मीन पर रह रहे थे। फिर महानगर पालिका ने हमें क्यों नहीं रोका?

स्थानीय प्रतिनिधि कुंटा पाटिल ने आरोप लगाया है कि हमारी ज़मीन को गुरुचरण की ज़मीन बताकर ज़बरदस्ती कब्ज़ा करने के लिए यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई की वजह से पिछले दस साल से यहाँ रह रहे कई लोगों की जान पर बन आई है और इस समय बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

महाराष्ट्र विप चुनाव: बीजेपी के 5 उम्मीदवार घोषित

■ कोकण-ठाणे में शिंदे को घेरने की रणनीति

मुंबई. भारतीय जनता पार्टी द्वारा महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए 5 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा आज हुई. लिस्ट पर नजर डालें तो पता चलता है कि महायुति के दूसरे बड़े चेहरे, शिवसेना के मुख्य नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को घेरने की रणनीति बीजेपी ने बना ली है. शिंदे के दो गढ़, ठाणे और कोकण में 2 एमएलसी बनाकर बीजेपी ने उनकी राह में रोड़ा डालने की कोशिश की है. विधान परिषद की लिस्ट पर सीएम देवेंद्र फड़नवीस का वर्चस्व पूरी तरह से दिखाई पड़ रहा है.

एडवोकेट माधवी नाईक को विधान परिषद में भेजकर बीजेपी ने ठाणे में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को घेरने की कोशिश की है. माधवी नाईक ठाणे शहर में रहने वाली हैं. वह ठाणे महानगर पालिका में पार्षद रह चुकी हैं. मौजूदा समय में वह बीजेपी की प्रदेश महामंत्री और उपाध्यक्ष के तौर पर कार्यरत हैं. माधवी नाईक एक आक्रामक और पढ़ाकू नेता हैं. ठाणे शहर में शिंदे का प्रभाव कम करने के लिए बीजेपी उनका उपयोग कर सकती है.

साल 2009 के विधानसभा चुनाव में सिंधुदुर्ग की कनकवली विधानसभा सीट से प्रमोद जठार विधायक बने थे. इन्हें विधान परिषद भेजकर बीजेपी ने कोकण में

एकनाथ शिंदे और शिवसेना के बढ़ते वर्चस्व को रोकने की कोशिश की है. प्रमोद जठार को विधान परिषद में भेजकर बीजेपी ने नारायण राणे के बड़े बेटे और शिवसेना के विधायक निलेश राणे को चुनौती देने की कोशिश की है. हाल ही में हुए नगर पालिका चुनाव में, खासकर सिंधुदुर्ग में, निलेश राणे और बीजेपी के बीच विवाद भी देखने को मिला था.

संगठन के लिए काम करने वालों को भी मिला मौका

सुनील कर्ज़तकर मौजूदा समय में प्रदेश उपाध्यक्ष हैं. वह एक अच्छे संघटक हैं, उन्हें पर्दे के पीछे का चाणक्य कहा जाता है. चुनावी रणनीति में वह माहिर हैं और देवेंद्र फड़नवीस के बेहद करीबी माने जाते हैं. संजय भेंडे बीजेपी संगठन के व्यक्ति हैं और आरएसएस के बेहद करीबी हैं. वह कई सालों से बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं. मौजूदा समय में वह नागपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के चेयरमैन हैं. नितिन गडकरी के लोकसभा में जीतने के बाद उनकी नागपुर पदवीधर विधान परिषद सीट के लिए उन्हें उम्मीदवार बनाया गया है. गडकरी और फड़नवीस से उनके अच्छे रिश्ते हैं.

फड़नवीस ने वादा पूरा किया

विधान परिषद की लिस्ट में एक नाम विवेक कोल्हे का है. उनकी मां स्नेहलता कोल्हे ने 2014 में अहिल्यानगर जिले की कोपरगांव सीट से विधानसभा चुनाव जीता था. इस बार 2024 के विधानसभा चुनाव में उनके बेटे विवेक कोल्हे कोपरगांव सीट से इच्छुक उम्मीदवार थे, लेकिन महायुति में यह सीट एनसीपी (अजित गुट) के सिटिंग विधायक आशुतोष काले को दोबारा मिली. तब फड़नवीस ने विवेक कोल्हे को विधान परिषद भेजने का वादा किया था, जिसे आज उन्होंने पूरा किया है.

'टॉक्सिक' 4 जून को नहीं होगी रिलीज

■ दोबारा पोस्टपोन हुई फिल्म

यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिक' पर बड़ा अपडेट आया है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज को दोबारा पोस्टपोन कर दिया है। जी हां, यश ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात की अनाउंसमेंट की है। मतलब अब ये फिल्म 4 जून के दिन सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होगी। आइए बताते हैं कि इस बार मेकर्स ने पोस्टपोन करने के पीछे क्या कारण बताया है

यश का ऑफिशियल पोस्ट

यश ने लिखा, 'कुछ फिल्में हम बनाते हैं और कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो हमें याद दिलाती हैं कि हमें सिनेमा से प्यार क्यों हुआ। 'टॉक्सिक' का सफर कुछ ऐसा ही रहा है। कुछ समय पहले सिनेमाकॉन में हमने हमारी फिल्म प्रस्तुत की और वहां मिले रिस्पॉन्स ने हमें इस बात पर यकीन दिलाया कि हमारी फिल्म पूरी दुनिया भर में रिलीज होनी चाहिए। ये फिल्म दुनिया के हर एक कोने तक पहुंचने की हकदार है।'

अब कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'?

यश ने आगे लिखा, 'टॉक्सिक पूरी हो चुकी है और अभी हम इसको दुनिया भर में रिलीज करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए हमें थोड़ा वक्त चाहिए। ये फिल्म पहले 4 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ये फिल्म 4 जून के दिन नहीं आएगी। हम जल्द ही इसकी नई रिलीज डेट अनाउंस करेंगे। चिंता मत कीजिए, 'टॉक्सिक' जल्द ही दुनिया भर के सिनेमाघरों में आएगी।'

परेशान हुए फैंस

यश का पोस्ट पढ़ने के बाद फैंस परेशान हो गए हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि बार बार पोस्टपोन करके मेकर्स पूरी एक्साइटमेंट खत्म कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग यश के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। वे कह रहे हैं, कोई बात नहीं, अच्छी चीजें समय लेती हैं, हम इंतजार करेंगे।

पहले क्यों पोस्टपोन हुई थी फिल्म?

'टॉक्सिक' पहले रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। हालांकि, मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव का हवाला देते हुए यश ने अपनी फिल्म की रिलीज पोस्टपोन कर दी थी और नई रिलीज डेट 4 जून अनाउंस की थी।

मराठी सीखी या नहीं?

■ 1 मई से चलेगा स्पेशल मिशन!
■ महाराष्ट्र में होगी ऑटो-रिक्शा चालकों की चेकिंग

मुंबई. महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा चालकों पर मराठी को अनिवार्य बनाने के फैसले को लागू करने के लिए स्पेशल वेरिफिकेशन अभियान शुरू किया जाएगा. यह अभियान 1 मई से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा. जिसकी सूचना परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी है.

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान के दौरान ड्राइवरों के लाइसेंस केवल मराठी न जानने के कारण रद्द नहीं किए जाएंगे. हालांकि, नियमों का उल्लंघन करने वालों और अवैध परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

सरनाईक ने कहा, कार्रवाई केवल मौजूदा कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही की जाएगी. यह अभियान राज्य के सभी 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में एडिशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर रविंद्र गायकवाड़ की अध्यक्षता वाली समिति की देखरेख में चलाया जाएगा.

परिवहन मंत्री ने कहा, अगर कोई महाराष्ट्र में व्यापार करना चाहता है, तो मराठी जानना अनिवार्य है. उन्होंने यह भी बताया कि ऑटो और टैक्सी यूनियनों के प्रतिनिधियों ने इस फैसले का पूरा समर्थन किया है.

इसके साथ ही मीरा-भयंदर में हाल ही में चलाए गए एक विशेष अभियान का हवाला देते हुए सरनाईक ने कहा कि 3,443 ऑटो-रिक्शा का निरीक्षण किया गया, जिसमें 565 चालक मराठी भाषा जानने में असफल रहे. उन्होंने कहा, लेकिन इन ड्राइवरों ने भाषा सीखने की इच्छा दिखाई है.

सरनाईक ने आगे कहा कि गायकवाड़ की अध्यक्षता वाली समिति इस अभियान की डेली और वीकली आधार पर निगरानी करेगी और निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर आरटीओ को निर्देश जारी करेगी.

सरनाईक के अनुसार, मराठी सीखने के इच्छुक चालकों के लिए आरटीओ कार्यालयों में सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिसमें कोंकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ द्वारा ट्रेनिंग सपोर्ट दिया जाएगा. बुकलेट्स जैसी सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी.

सरनाईक ने कहा कि प्रशिक्षण पूरा करने वाले चालकों को राज्य सरकार द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे, जिनकी आवश्यकता लाइसेंस रिन्यूअल के समय होगी.

दादोजी कोंडदेव स्टेडियम में TPL

■ राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 1 मई को करेंगे उद्घाटन

ठाणे. लेदर क्रिकेट खेलने वाले प्लेयर्स को सही प्लेटफॉर्म देने वाला ठाणे प्रिमियर लीग (टीपीएल) नाम से प्रसिद्ध क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज ठाणे के दादोजी कोंडदेव स्टेडियम में होगा. महाराष्ट्र माझा सेवा संस्था ने यूनियन क्रिकेट क्लब और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के साथ मिलकर 1 से 8 मई तक टूर्नामेंट का आयोजन किया है.जिसका उद्घाटन राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 1 मई को करेंगे.

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एपेक्स काउंसिल सदस्य और महाराष्ट्र माझा सेवा संस्था के सलाहकार विकास रेपाले ने कहा कि यह लीग का 14वां साल है. आईपीएल और रणजी ट्रॉफी खेल चुके क्रिकेटर लीग में खेलेंगे, इसलिए ठाणेकरों को रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे.

राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में आठ दिनों तक चलने वाली इस लीग में ठाणे जिले की 16 टीमें हिस्सा लेंगी. इस टीम से आईपीएल में खेलने वाले क्रिकेटरों में अथर्व अंकोलेकर, अखिल हेरवाडकर, साईराज पाटिल, हार्दिक तमोर, धुमिल मटकर, दिव्यांश सक्सेना, रॉयस्टन डायस, प्रग्नेश कनपिल्लेवार, प्रवीण तांबे शामिल हैं. इस कॉम्पिटिशन में कुल चार लाख रुपये कैश प्राइज़ दिए जाएंगे, और कॉम्पिटिशन के बेस्ट बैट्समैन, फील्डर, बॉलर और बेस्ट प्लेयर को ट्रॉफी और कैश प्राइज़ दिए जाएंगे. विकास रेपाले ने ठाणे के क्रिकेट फैंस से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में कॉम्पिटिशन में आएं क्योंकि वे ठाणे और मुंबई के बड़े क्रिकेटरों के मैच फ्री में देख पाएंगे.

सोने की चेन चुराने वाले चोर को भीड़ ने बेरहमी से पीटा

नवी मुंबई. कलंबोली इलाके में हल्दी की रस्म के दौरान सोने की चेन चुराने की कोशिश कर रहे एक चोर को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी. इस घटना से इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया है, और सोने की चेन चोरी की बढ़ती घटनाओं से नागरिकों में गुस्सा है. मिली जानकारी के मुताबिक, कलंबोली गांव में एक परिवार में हल्दी की रस्म के दौरान भारी भीड़ जमा हो गई थी. इस मौके का फायदा उठाकर संदिग्ध आरोपी रजनीश इंद्रपाल केवट (उम्र 24, मूल रूप से सतना का रहने वाला) अचानक कार्यक्रम स्थल पर आ गया. उसने कुर्सी पर बैठी 35 साल की महिला के गले से 18 तोले की सोने की चेन छीन ली और भागने की कोशिश की. वहां मौजूद नागरिकों ने तुरंत चिल्लाना और उसका पीछा करना शुरू कर दिया. आरोपी नशे की हालत में भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन, वह फिसलकर कुछ दूरी पर गिर गया और गांव वालों ने उसे पकड़ लिया. गुस्साई भीड़ ने उसकी पिटाई की और उससे चोरी का हार बरामद कर लिया. इतना ही नहीं, कुछ लोगों ने उसे आधी नंगी हालत में सड़क पर घसीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर फैला दिया.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099